तैयार करें मूल्यों व उम्मीद पर आधारित ब्लू प्रिंट

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से दिया संदेश, छात्र और शिक्षकों से राष्ट्र निर्माण का आह्वान

- बीएचयू व काशी विद्यापीठ के गुरु व शिष्यों को दिए संदेश

जागरण संवाददाता, वाराणसी : राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने मंगलवार को 'नेशनल नॉलेज नेटवर्क' का उपयोग कर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से युवा एवं राष्ट्र निर्माण विषय पर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों एवं सिविल सर्विसेज एकेडमीज के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। महामहिम ने कहा कि सभी को यह वादा करना होगा कि देश को समता, न्याय व स्वतंत्र राष्ट्र का माहौल दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए एक ऐसा ब्लू प्रिंट तैयार करना होगा जो मूल्यों एवं उम्मीदों पर आधारित हो।

राष्ट्रपति भवन से की गई इस वीडियो कांफ्रेंसिंग से न सिर्फ काशी हिंदू विश्वविद्यालय व महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ बल्कि देश के 150 से भी अधिक संस्थान जुड़े थे। बीएचयू स्थित स्वतंत्रता भवन के सीनेट हाल में इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, डा. केपी उपाध्याय, अभय कुमार आदि थे। उधर, काशी विद्यापीठ में विवि के सेवायोजन सूचना व मंत्रणा केंद्र में राष्ट्रपति के उद्बोधन को सुनने की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान कुलसचिव ओम प्रकाश, उप कुलसचिव शमीम अहमद खान, मदन लाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में बात करते राष्ट्रपति।

विद्यार्थियों से बातचीत

- राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के जरिए युवाओं को राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व को समझाने की बात की। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवा की भूमिका महत्वपूर्ण है।
  -परिधि दुबे, बीए तृतीय खंड।
- राष्ट्रपति ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए देश के संसाधन का बेहतर उपयोग करने का सुझाव दिया। कहा कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग से ही राष्ट्र की उन्नति संभव है। -प्रतिभा यादव, बीए तृतीय खंड।
- राष्ट्रपति ने कई संस्थानों के विद्यार्थियों से बात की। हालांकि हम लोगों को बात करने का मौका नहीं मिला। बनारस के छात्रों को भी बात करने का मौका देना चाहिए था।
  -श्रेष्ठा केसरी, बीए तृतीय खंड।
- राष्ट्रपति के वीडियो कांफ्रेंसिंग को लेकर विश्वविद्यालय ने कोई सूचना छात्रों को नहीं दी थी। समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी जानकारी मिली। राष्ट्रपति का संबोधन काफी अच्छा व प्रेरक रहा।
  -अमित कुमार साहू, बीए तृतीय खंड।
- राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में छात्रों को तीन लक्ष्य निर्धारित करने का सुझाव दिया चरित्र निर्माण, अच्छा स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता। साथ ही उन्होंने कला संस्कृति व प्रकृति का अध्ययन करने का भी सुझाव दिया।
  -संजय कुमार शर्मा, बीए तृतीय खंड।
- राष्ट्रपति ने रोजगार सृजन के लिए स्टार्ट अप इंडिया को अच्छी शुरुआत बताया। राष्ट्रपति के संबोधन से युवाओं में आस जगी है। -नीरज कन्नौजिया, एमकाम प्रथम खंड।
- राष्ट्रपति से बात करने का मौका भले ही नहीं मिल सका, लेकिन उनकी बातें सुनने का जो अवसर मिला वह मेरे लिए ही नहीं सभी छात्रों के लिए काफी प्रेरणादायक रहा।
  -उज्ज्वल कुमार गुप्ता, एमकाम प्रथम खंड।

छात्रों से रूबरू होंगे राष्ट्रपति

वाराणसी : राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 19 जनवरी को दिन में 11.30 बजे युवाओं से रूबरू होंगे। वह 'युवा व राष्ट्र निर्माण' विषय पर युवाओं को संबोधित करेंगे। इस क्रम में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के केंद्रीय पुस्तकालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र काशी विद्यापीठ के प्रमुख प्रो. कृपाशंकर जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति की वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए शामिल होने के लिए 14 जनवरी तक पंजीकरण कराना था। विश्वविद्यालय के करीब 100 छात्रों ने पंजीकरण भी कराया। हालांकि सूचना विलंब से मिलने के कारण अब इन छात्रों को राष्ट्रपति से सीधे संवाद करने का मौका नहीं मिलेगा।